अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

शुक्रवार
27 मार्च, 2026

जानकी शिशु महाविहार
शिशु स्तर से पंचम स्तर तक
विशेषताएँ :-
- सी. सी. टी. वी. कैमरा की व्यवस्था
- स्मार्ट क्लास
- सभी रूट पर वाहन की व्यवस्था
- कंप्यूटर क्लास

वर्ष 2, अंक 53 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

समृद्धि यात्रा में मुख्यमंत्री ने नालंदा को दी 810 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

संजय कुमार/अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को अपनी समृद्धि यात्रा के दौरान नालंदा जिले में विभिन्न विकास योजनाओं का निरीक्षण किया तथा जिले के लिए कुल 810 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 316 करोड़ रुपये की लागत से 110 योजनाओं का उद्घाटन तथा 494 करोड़ रुपये की लागत से 106 योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का कार्य तेजी से और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि आम लोगों को जल्द से जल्द उसका लाभ मिल सके।

समृद्धि यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री सबसे पहले बिहारशरीफ-रांची रोड स्थित भरावपर पहुंचे, जहां 84.61 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 1620 मीटर लंबे फ्लाईओवर का शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। लोकार्पण के बाद उन्होंने फ्लाईओवर का निरीक्षण भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहारशरीफ शहर में लंबे समय से फ्लाईओवर की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई है। इसके निर्माण से शहर की यातायात व्यवस्था सुगम होगी और लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

इसके बाद मुख्यमंत्री बिहारशरीफ प्रखंड के कोसुक गांव स्थित कोसुक रिवर फ्रंट कार्य स्थल पहुंचे। यहां उन्होंने पंचाने नदी में कराए जा रहे पक्का सुरक्षात्मक कार्य तथा रिवर फ्रंट विकास कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कोसुक से सिपाह पुल तक पंचाने नदी के तट विकास और सुरक्षा से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से ली। साथ ही उन्होंने पंचाने सिंचाई योजना के पुनर्स्थापन, नूरसराय प्रखंड के ग्राम लारी व मकनपुर से धनौली तक अधियारा नदी के तल की सफाई, आरसीसी एंटी फ्लड स्लुईस गेट के निर्माण, सरमेरा प्रखंड के गोपालवाद और धनाबॉडी जमींदारी बांध के पुनर्स्थापन तथा बाढ़ नियंत्रण और कटाव निरोधी कार्यों की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने राजगीर क्षेत्र में पर्यटन विकास से जुड़े कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने ब्रह्मकुंड परिसर के विकास, ईको टूरिज्म के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण, जयप्रकाश उद्यान, वेणुवन पार्क और घोड़ा कटोरा के विकास कार्यों के साथ-साथ डायनासोर पार्क सहित अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त बरगाही आहर-पईन योजना के जीर्णोद्धार और नूरसराय के संगत के पास जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली।

बाद में मुख्यमंत्री बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र स्थित दीपनगर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे, जहां से उन्होंने रिमोट के माध्यम से नालंदा जिले की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विकास कार्यों से संबंधित स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जीविका दीदियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों और उनके आजीविका कार्यों की जानकारी ली।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 17,811 जीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 393.50 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं से महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उनके परिवारों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सरकार उनकी हरसंभव सहायता करती रहेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, दिव्यांगजन सशक्तीकरण योजना, समग्र गव्य विकास योजना सहित अन्य योजनाओं के लाभुकों को भी सांकेतिक चेक प्रदान किए। साथ ही ऊर्जा, शिक्षा, गृह, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य और समाज कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और उनके कार्यों की सराहना की।मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और बिहार को देश के अग्रणी विकसित राज्यों में शामिल कराने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करें।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री एवं नालंदा के प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक डॉ. सुनील कुमार, विधायक रूहेल रंजन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेन्दर, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना प्रमंडल के आयुक्त अनिमेष पराशर, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक जितेंद्र राणा, नालंदा के जिलाधिकारी कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक भारत सोनी सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

समृद्धि यात्रा की सफलता पर डीएम-एसपी की प्रेस वार्ता, रामनवमी को लेकर सख्त तैयारी

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। गुरुवार को जिला समाहरणालय में जिलाधिकारी कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी की संयुक्त अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें मुख्यमंत्री की समृद्धि यात्रा के सफल आयोजन तथा 27 मार्च को रामनवमी पर्व के दौरान जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी ने समृद्धि यात्रा के सफल आयोजन के लिए जिलेवासियों, प्रशासनिक पदाधिकारियों तथा मीडिया का आभार जताते हुए कहा कि लोगों के सहयोग और उत्साह से यह बड़ा कार्यक्रम सफल हो सका। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा भ्रमण के दौरान विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इस दौरान बिहारशरीफ स्मार्ट सिटी योजना के तहत 84.61 करोड़ रुपये की लागत से रांची रोड स्थित ओवरब्रिज का उद्घाटन किया गया। साथ ही दीपनगर स्टेडियम से 316 करोड़ रुपये की 110 योजनाओं का उद्घाटन तथा 494 करोड़ रुपये की 106 योजनाओं का शिलान्यास किया गया। विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर मुख्यमंत्री ने 20 प्रखंडों की 2,88,262 जीविका दीदियों को 476.61 करोड़ रुपये की सहायता राशि भी प्रदान की।जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और जनसेवाओं में कई नवाचार किए जा रहे हैं, जिनकी मुख्यमंत्री ने सराहना की है।वहीं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने कहा कि रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है तथा सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी निगरानी और क्यूआरटी टीम भी पूरी तरह सक्रिय रहेगी

रामनवमी को लेकर बिहारशरीफ में फ्लैग मार्च, शांति और सौहार्द का दिया संदेश

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रामनवमी पर्व के मद्देनजर जिले में शांति, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को बिहारशरीफ शहर के विभिन्न संवेदनशील एवं प्रमुख इलाकों में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च दंडाधिकारी-सह-जिलाधिकारी कुंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

फ्लैग मार्च के दौरान प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की टीम शहर के प्रमुख बाजारों, धार्मिक स्थलों तथा भीड़-भाड़ वाले इलाकों से होकर गुजरी। इस दौरान आम नागरिकों से रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। अधिकारियों ने लोगों को संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की अफवाह, असामाजिक गतिविधि या कानून-व्यवस्था को भंग करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा कि सभी पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं और इन्हें आपसी भाईचारे व सद्भाव के साथ मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की।पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर जिले में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है तथा अश्व पुलिस बल द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। साथ ही, सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी रखी जा रही है।फ्लैग मार्च में अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित कई जिला स्तरीय पदाधिकारी और पुलिस अधिकारी शामिल रहे।

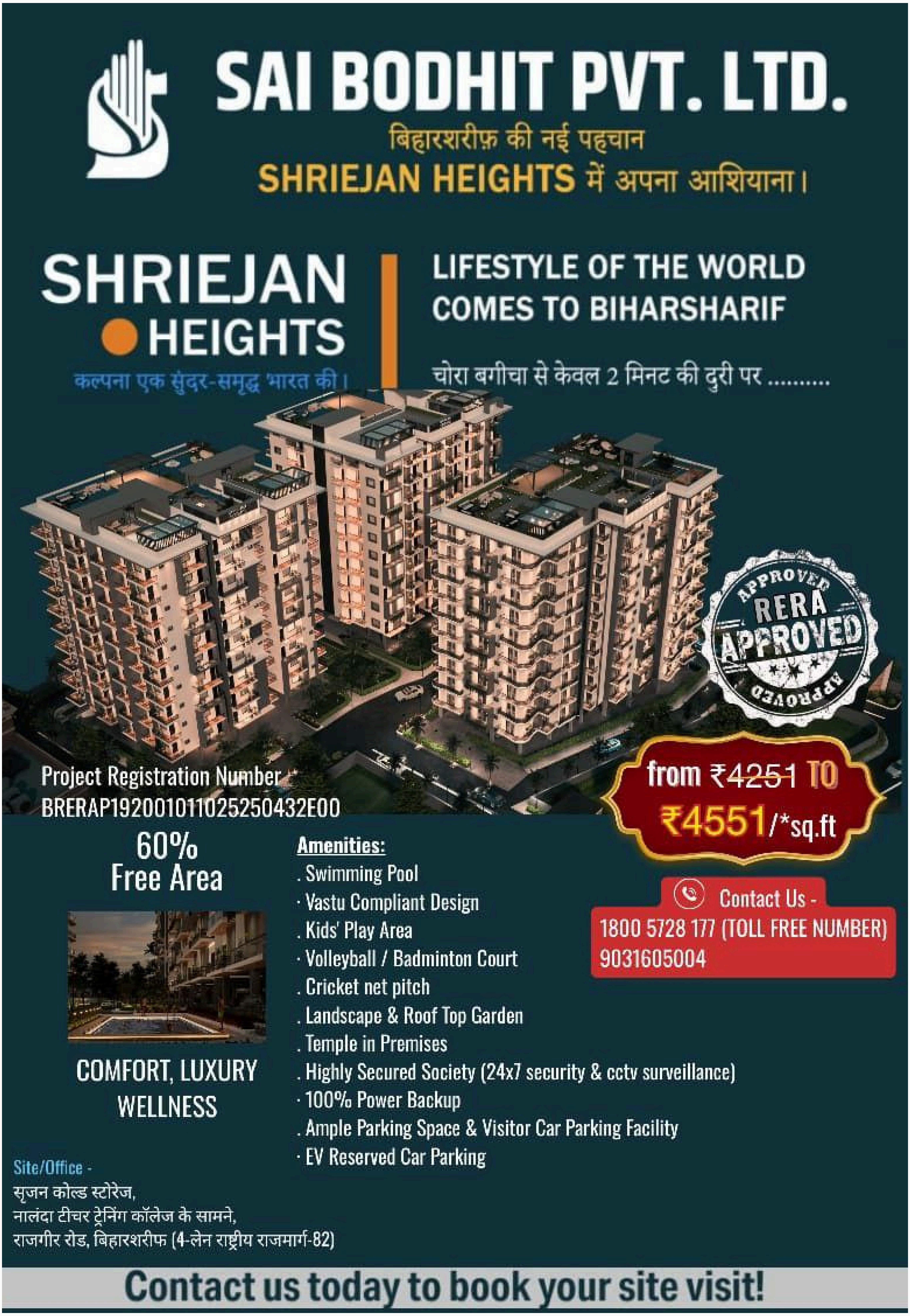
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED APPROVED
Project Registration Number
BRERAP19200101102525043 2E00
from ₹4251 TO ₹4551/*sq.ft
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

नालंदा कॉलेज में 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना शुरू, जिले का पहला महाविद्यालय बना

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा कॉलेज ने एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करते हुए भारत सरकार की 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' (ओएनओएस) योजना को लागू कर दिया है। इसके साथ ही यह पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के अंतर्गत नालंदा जिले का पहला अंगीभूत महाविद्यालय बन गया है, जहां यह योजना शुरू की गई है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर की शोध सामग्री तक आसान और निःशुल्क पहुंच उपलब्ध कराना है।

इस योजना के तहत अब नालंदा कॉलेज के छात्र और शिक्षक दुनिया के लगभग 30 प्रमुख प्रकाशकों की 13 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं और जर्नल्स तक निःशुल्क पहुंच प्राप्त कर सकेंगे। इससे महंगे व्यक्तिगत सब्सक्रिप्शन की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और स्थानीय विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों के समान अध्ययन एवं शोध के अवसर मिल सकेंगे।महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुनीता सिन्हा ने कहा कि कॉलेज को उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के लक्ष्य के तहत यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।परियोजना के नोडल अधिकारी डॉ. सर्वदमन कश्यप ने बताया कि ओएनओएस के माध्यम से अब क्षेत्रीय शोधकर्ताओं को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी से संबंधित वैश्विक शोध सामग्री तक सरल पहुंच मिलेगी। उन्होंने कहा कि छात्रों और शिक्षकों को तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाएगी।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य एवं बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. ध्रुव कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे नालंदा कॉलेज परिवार को भी अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं तक मुफ्त डिजिटल पहुंच मिलेगी। इस अवसर पर प्रो. रघुनाथ प्रसाद कच्छवे, प्रो. प्रभाष कुमार, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. चंपा कुमारी और डॉ. रत्नेश कुमार अमन ने भी प्रसन्नता व्यक्त की।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

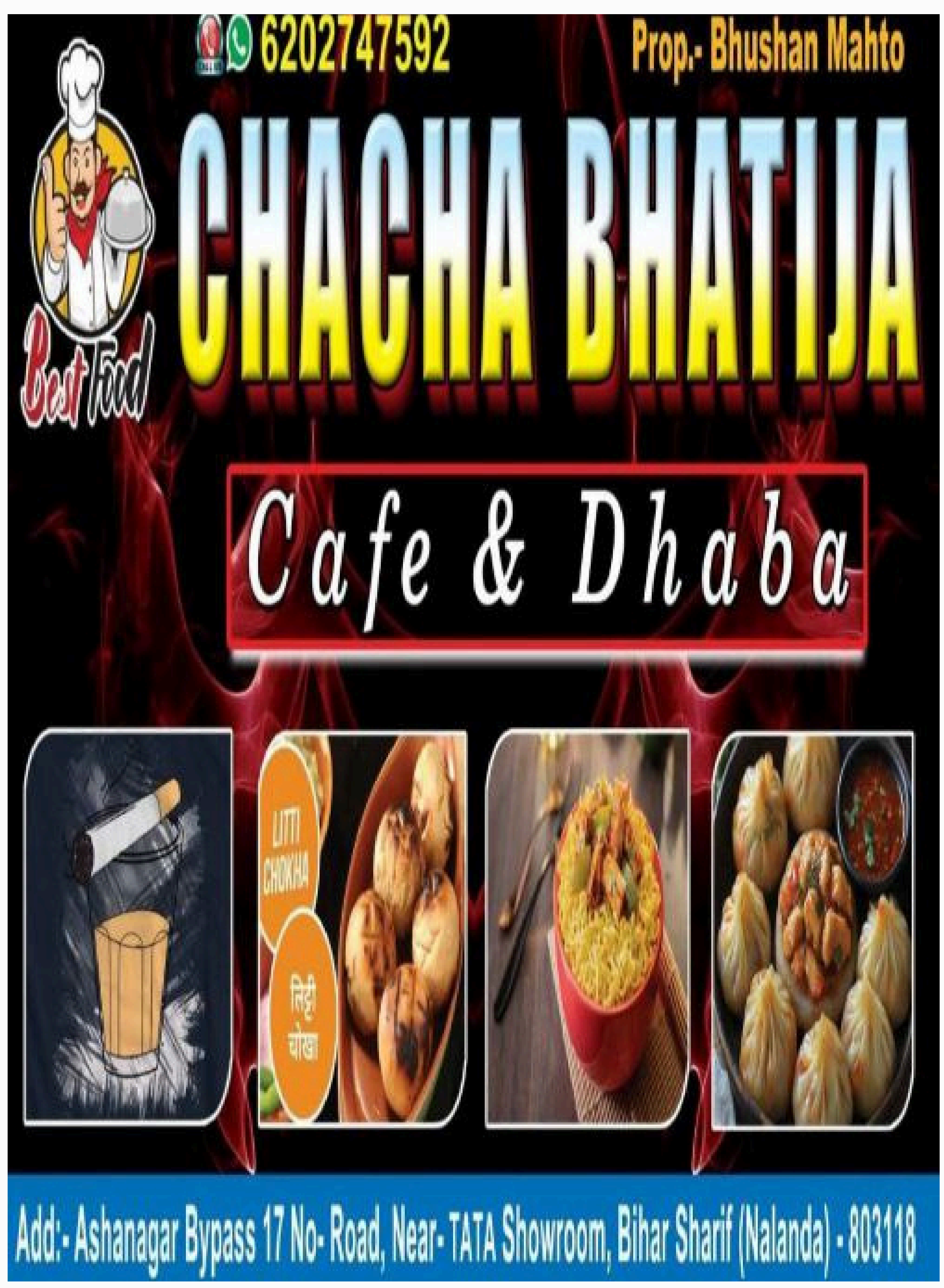

Kalope HOMES

All-in-One Home Solution

Luxury Interior with RealPlast UPVC

Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance

Material Partner: REAL PLAST

RealPlast UPVC is a next-generation interior material that combines strength, safety, and luxury design.

Modular Kitchen
✓ Cabinets, shutters, drawers

TV Unit & Wall Panels
✓ Modern design, storage

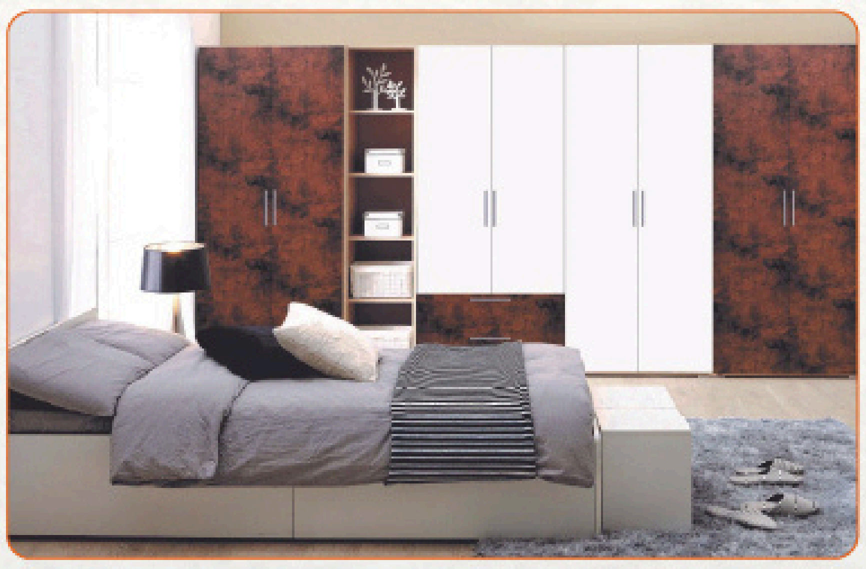

Wardrobes & Closets
✓ Sliding, swing, loft, drawers

Bathroom Vanities
✓ Waterproof & hygienic

+91 74887 06578 www.kalopehomes.com Patna, Bihar

हनुमान मंदिर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन संपन्न, भंडारे में उमड़ी हजारों श्रद्धालुओं की भीड़

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। नगर पंचायत स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित 24 घंटे का अखंड कीर्तन भक्ति और श्रद्धा के माहौल के बीच संपन्न हो गया। इस धार्मिक आयोजन में नगर पंचायत सहित आसपास के गांवों के बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर "हरे राम, हरे राम, राम-राम हरे हरे, हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण-कृष्ण हरे हरे" के संकीर्तन से गूंजता रहा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।अखंड कीर्तन के समापन पर वैदिक रीति से हवन का आयोजन किया गया। पंडित पंकज पांडे के मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति दी और क्षेत्र की सुख-समृद्धि तथा शांति की कामना की। इस अवसर पर यजमान के रूप में नीतू प्रसाद सहित कई श्रद्धालुओं नेभाग लिया। हवन के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। भंडारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही और देर तक लोग प्रसाद ग्रहण करते रहे।

इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में नगर पंचायतवासियों के साथ-साथ आसपास के गांवों के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया। आयोजन के दौरान भक्तों में विशेष उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली।

पंडित पंकज पांडे ने बताया कि सभी श्रद्धालुओं के सहयोग और आस्था से ही अखंड कीर्तन का सफल आयोजन संभव हो सका। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारा, एकता और आपसी सौहार्द को बढ़ावा मिलता है।

चंडी के जैतीपुर में रामनवमी पर जागरण और भंडारे में उमड़ा आस्था का सैलाब

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। नगर पंचायत क्षेत्र के जैतीपुर में रामनवमी के पावन अवसर पर जय श्री श्याम कमिटी की ओर से भव्य जागरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में नगर पंचायत सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ कमिटी के अध्यक्ष अजीत सिंह तथा उपाध्यक्ष अमित कुमार द्वारा समिति के सभी सदस्यों को गमछा देकर सम्मानित करने के साथ किया गया। इसके बाद भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें बनारस से आए प्रसिद्ध भजन गायक गुड़िया गिरी, रानी गुप्ता और पिंटू राज ने अपनी मधुर आवाज में एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत किए। भजनों की मनमोहक प्रस्तुति से पंडाल मेंमौजूद श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

जागरण के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

कमिटी के अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि जैतीपुर में पहली बार रामनवमी के अवसर पर जागरण और भंडारे का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी हर वर्ष रामनवमी के मौके पर इस प्रकार का धार्मिक आयोजन किया जाएगा, ताकि क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को और मजबूत किया जा सके।कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्य हेमंत कुमार, विकास कुमार सिंह, राहुल कुमार, विजेंद्र महतो, सिंटू कुमार, ई. अविनाश सहित अन्य कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूरे आयोजन के दौरान समिति के सदस्य व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखने में सक्रिय रहे।

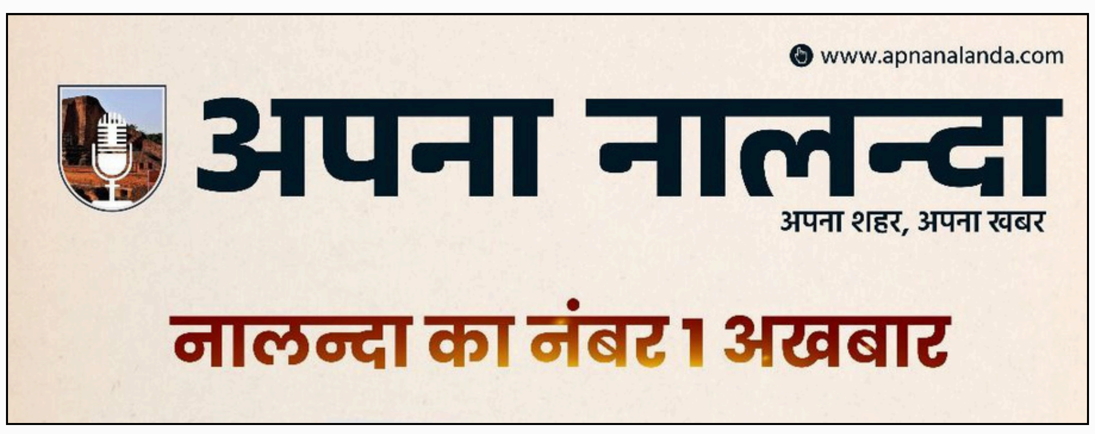

नालंदा में दुष्कर्म कांड पर उबाल, अमर आजाद के नेतृत्व में थाना घेराव

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के वेना थाना क्षेत्र में 22 मार्च को दलित समाज की एक बेटी के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। इस जघन्य घटना के विरोध में मंडल 2 आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक अमर आजाद के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने वेना थाना का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया तथा दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग उठाई।प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए अमर आजाद ने कहा कि राज्य में दलितों और वंचित वर्ग के खिलाफ बढ़ते अपराध चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि 22 मार्च की यह घटना प्रशासनिक विफलता को दर्शाती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सभी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर स्पीडी ट्रायल के माध्यम से कठोरतम सजा नहीं दिलाई गई तो आंदोलन नालंदा से निकलकर पूरे प्रदेश में व्यापक रूप लेगा। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने मांग की कि मामले में शामिल सभी चिन्हित अभियुक्तों की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए, स्पीडी ट्रायल के माध्यम से सुनवाई कर दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, पीड़िता के परिवार को उचित आर्थिक सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाए तथा लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाए।

वेना थाना परिसर में घंटों चले इस विरोध प्रदर्शन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता की और आश्वासन दिया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है तथा जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।इस आंदोलन में अमर आजाद पासवान, सुबोध पासवान, प्रेम पासवान, रजनीश पासवान, नरेश पासवान, बलराम पासवान, रंजीत पासवान, धर्मपाल पासवान, साजन पासवान, अस्मित पासवान, सोनू पासवान सहित सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय ग्रामीण और पीड़ित परिवार के सदस्य शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में कहा कि जब तक पीड़िता को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी

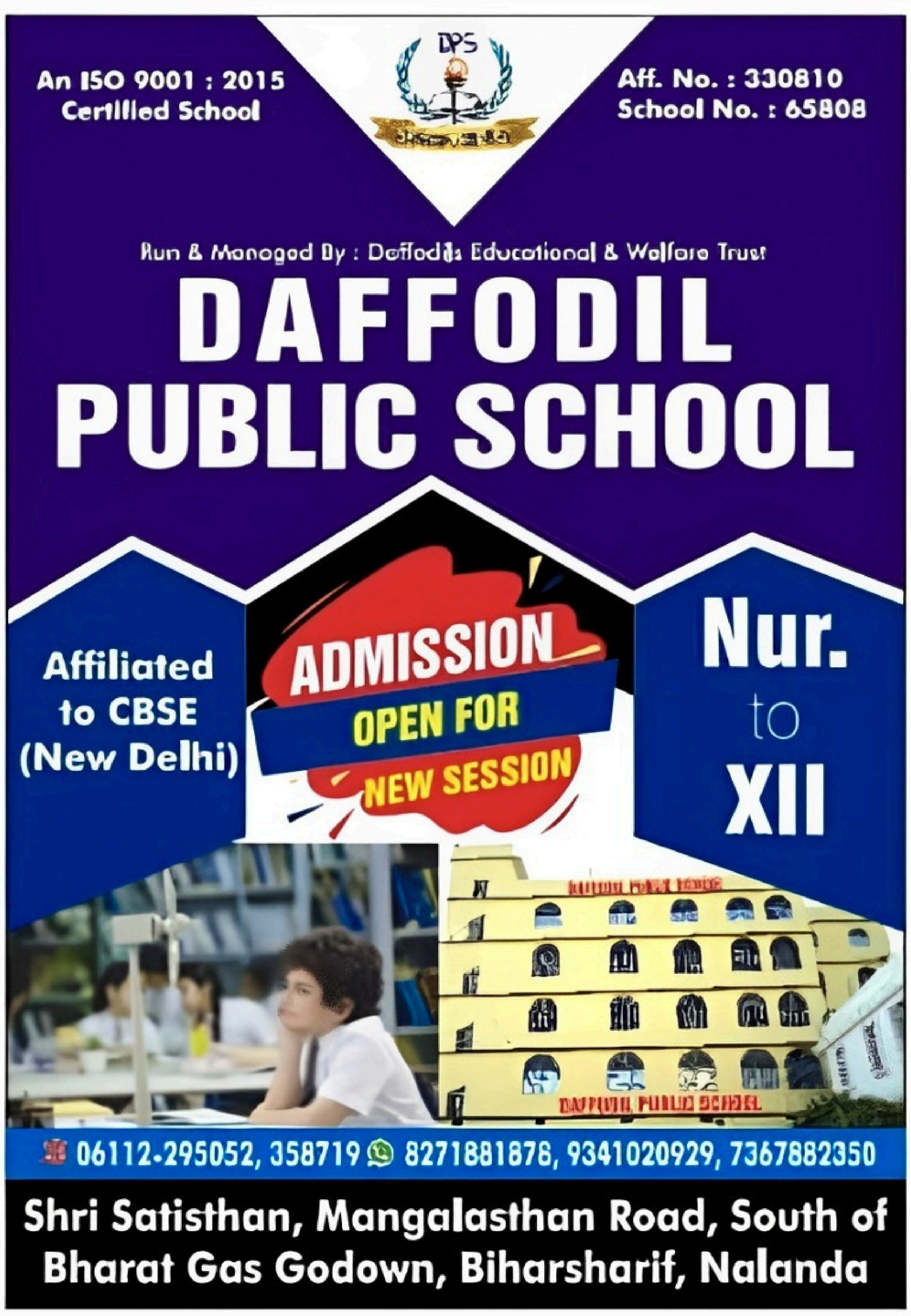

सैदनपुर में शिकायत के बाद विद्युत व्यवस्था सुधारने की प्रक्रिया हुई शुरू

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के हिलसा प्रखंड अंतर्गत सैदनपुर गांव में विद्युत व्यवस्था से जुड़ी शिकायत के बाद सुधार की पहल शुरू कर दी गई है। गांव के निवासी विनय कुमार द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में वाद संख्या 2828/04/24/2025 के तहत शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत मिलने के बाद आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विद्युत विभाग तथा जिला प्रशासन, नालंदा से कार्रवाई प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

आयोग के निर्देश के बाद विद्युत विभाग की टीम ने 26 मार्च 2026 को सैदनपुर गांव पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गांव में मौजूद विद्युत अवसंरचना की स्थिति का बारीकी से आकलन किया। जांच में पाया गया कि कई स्थानों पर बिजली के पोल सही ढंग से स्थापित नहीं हैं तथा तारों की स्थिति भी मानक के अनुरूप नहीं है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

इस स्थिति को देखते हुए विभाग ने विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने का निर्णय लिया है। अधिकारियों के अनुसार गांव में नए विद्युत पोल लगाए जाएंगे तथा जर्जर और अव्यवस्थित तारों को हटाकर उन्हें मानक के अनुरूप व्यवस्थित किया जाएगा। साथ ही सभी किसानों और ग्रामीणों को अधिकृत विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की दिशा में भी पहल की जाएगी।

विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में आवश्यक योजना तैयार कर ली गई है और जल्द ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। विभाग का मानना है कि इन सुधारात्मक कदमों के बाद सैदनपुर गांव में विद्युत आपूर्ति अधिक सुरक्षित और सुचारु हो सकेगी, जिससे ग्रामीणों को काफी राहत मिलेगी।

संपादकीय

जे पी चौधरी

बीमा के नाम पर भरोसे से खिलवाड़, इलाज के वक्त क्यों मुकरती हैं कंपनियां

बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दर्शाता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक-तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है। दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनोंको पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश-दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं। सवाल उन सरकारी विभागों पर भी है, जो बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की पहल नहीं करती। तभी साल में करोड़ों रुपये की उगाही करने वाली बीमा कंपनियां कई तकनीकी वजहों से मरीज के इलाज में लगी रकम का बड़ा हिस्सा देने से मना कर देती हैं। वास्तव में जरूरत इस बात की है कि बीमा कराते वक्त ईमानदारी से बीमे से जुड़ी शर्तों से उपभोक्ता को अवगत कराया जाए। लेकिन इससे जुड़े जटिल व अस्पष्ट नियमों को पारदर्शी ढंग से समझाया ही नहीं जाता, जिसको वे बाद में इलाज कराने के उपरांत भुगतान रोकने का जरिया बना लेती हैं। जिसके चलते अक्सर अस्पताल में भर्ती होने पर आए खर्च और बीमा कंपनियों द्वारा भुगतान की गई राशि में बड़ा अंतर नजर आता है। निस्संदेह, देश में इस दिशा में उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच होनी चाहिए

बुद्ध की करुणा से बदला अशोक का जीवन, शांति का दिया संदेश : सम्राट चौधरी

पटना (अपना नालंदा)। सम्राट अशोक की जयंती के अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उनके महान जीवन और विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि भगवान गौतम बुद्ध की करुणा, अहिंसा और शांति के संदेश से प्रेरित होकर सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद हिंसा का मार्ग छोड़कर धर्म, दया और मानव कल्याण की राह अपनाई। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन इतिहास का एक अनूठा उदाहरण है, जिसने दुनिया को यह सिखाया कि वास्तविक शक्ति युद्ध में नहीं, बल्कि शांति और मानवता की सेवा में निहित होती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध और सम्राट अशोक की विचारधारा आज भी समाज के लिए उतनी ही प्रासंगिक है। वर्तमान समयमें जब समाज में तनाव और विभाजन की प्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं, तब शांति, सौहार्द और भाईचारे का संदेश ही लोगों को एकजुट रखने का सबसे प्रभावी मार्ग है।

उन्होंने कहा कि बिहार की धरती को यह गौरव प्राप्त है कि यहीं भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया और सम्राट अशोक ने अपने शासन को जनकल्याण और शांति के मार्ग पर आगे बढ़ाया। यही कारण है कि बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत पूरे विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के मूल मंत्र के साथ समाज के हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ धैर्य, संयम और करुणा का संदेश देती हैं, वहीं सम्राट अशोक का जीवन यह बताता है कि सही दिशा में परिवर्तन से समाज को नई राह दिखाई जा सकती है।

राम नवमी पर एक विशेष प्रस्तुति

राम नवमी और पर्यावरण संरक्षण : एक समीक्षात्मक मूल्यांकन

आज मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के रूप में बड़े ही धूम धाम से राम नवमी मनाया जा रहा है। यह त्योहार बुराई की अच्छाई पर जीत (अधर्म पर धर्म) का प्रतीक है। राम नवमी चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन देवी दुर्गा माता के नौवें रूप सिद्धिदात्री की पूजा के साथ मनाया जाता है। अगर हम अपने पवित्र ग्रन्थ रामायण / रामचरित मानस की गहराइयों में झांक कर देखें, तब हमें ज्ञात होगा कि रामनवमी केवल धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि इसमें पर्यावरण संरक्षण की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। पवित्र धार्मिक ग्रंथ रामायण में प्रकृति के प्रति सम्मान, वनों, नदियों और वन्य जीवों के संरक्षण का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। प्रभु श्री राम का जीवन हमें वृक्षों, नदियों और वन्य जीवों का पर्यावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने का संदेश देता है। उनका वनवास इस ओर स्पष्ट इशारा करता है। श्री राम के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि पर्यावरण को हम केवल एक संसाधन नहीं समझें, बल्कि इसे संरक्षित रखें। हम ऐसा कोई भी कार्य नहीं करें, जिससे हमारा पर्यावरण प्रभावित होता हो। राम राज्य की अवधारणा शुद्ध वायु, जल और सामंजस्यपूर्ण पारिस्थितिकी पर आधारित है, इससे हम इनकार नहीं कर सकते हैं। राम नवमी के दिन चंदन, धूप, कपूर इत्यादि का प्रयोग वायु को शुद्ध करने की दिशा में एक कदम है। यहां एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी का उल्लेख आवश्यक हो जाता है कि रामायण काल में अयोध्या नगरी का राज वृक्ष कोविदार वृक्ष था। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस वृक्ष की उत्पति रामायण काल के ऋषि कश्यप ने मंदार और परिजात नामक वृक्षों के संकरण (Hybridization) से किया था। अब जरा सोचिए ! आज से हजारों साल पहले ऋषि कश्यप को संकरण का ज्ञान था। हम विज्ञान के क्षेत्र में कितने विकसित थे। हम रामायण काल के ऋषि कश्यप को आज नमन करते हुए उन्हें सैल्यूट करते हैं। गूगल से प्राप्त जानकारी के आधार पर त्रेता युग का राज वृक्ष कोविदार को ही आज आधुनिक काल में हम कचनार (Bauhinia variegata) के नाम से पुकारते हैं। यहां बताते चलें कि कचनार औषधियों गुणों से भरपूर एक महत्वपूर्ण मेडिसिनल प्लांट है। इसकी फूल, पत्तियां और छाल कई असाध्य रोगों में कारगर हैं। हमें ऐसा प्रतीत होता है कि त्रेता युग में कोविदार राज वृक्ष का उपयोग उस समय के राज वैद्य जरूर करते होंगे। अयोध्या में नव निर्मित भव्य राम मंदिर के उद्घाटन के सुअवसर पर शिखर पर जो ध्वज फहराया गया है, उस ध्वज में रामायण काल के राज वृक्ष कोविदार का चिन्ह अंकित है। यह कदम हमें अपने महान प्राचीन संस्कृति कि याद दिलाता है। हमें अपनी प्राचीन संस्कृति पर गर्व है। हमारे जितने भी शास्त्र हैं, उनकी प्रत्येक वाक्य में वैज्ञानिक रहस्य छिपा हुआ है। धन्य है हमारी संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है हमारे सारे पर्व और त्यौहार।

आज हम पर्यावरण संकट की दंश झेल रहे हैं। राम नवमी पर्व, जो निश्चित रूप से भगवान श्री राम के प्रकृति प्रेम को दर्शाता है, के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम पर्यावरण को हर हाल में संरक्षित करेंगे। यही नहीं, हमें यह भी आज शपथ लेना चाहिए कि हम कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे, जिससे हमारे जीने का आधार पेड़ पौधे पर प्रतिकूल असर पड़े और हमारा पर्यावरण प्रभावित हो। आज के प्रदूषित पर्यावरण में राम नवमी पर्व पर श्री राम के प्रकृति प्रेम का अनुसरण करने का समय प्रासंगिक है।

राम नवमी के अवसर पर हमें क्या करना चाहिए -

कमसेकम एक पेड़ लगाएं। यही नहीं, उस पेड़ की समुचित देखभाल तब तक करना चाहिए, जब तक वह पेड़ बड़ा होकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के लायक नहीं हो जाए।

पेड़ों और वनों की कटाई अविलंब रोकी जानी चाहिए।

नदियों और वन्यजीवों के संरक्षण में सकारात्मक भूमिका अदा करना चाहिए। किसी भी परिस्थितिक तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक जीव की मौजूदगी आवश्यक है। यदि मानव जनित गतिविधियों से कोई जीव विलुप्त हो जाता है, तब इसका सीधा असर पर्यावरण संतुलन पर पड़ता है, इससे हम इनकार नहीं कर सकते हैं। हमारी पवित्र गंगा नदी और मानव जीवन के लिए वरदान विलुप्ति के कगार पर खड़ी गौरैया इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। मानव और पर्यावरण के लिए घातक प्लास्टिक आज पर्यावरण संकट के लिए मुख्यरूप से जिम्मेवार है। " प्लास्टिक को ना कहें " ।प्रभु श्री राम के वनवास के दौरान माता सीता और राम का प्रकृति प्रेम एक मिसाल है, जिस पर हमें आत्म मंथन करने का अब समय आ चुका है। हमारा अस्तित्व खतरे में है। यदि हम अब भी सचेत नहीं हुए, तब एक ना एक दिन हमारा अस्तित्व मिटना तय है।

" पेड़ पौधों के बिना क्या हम जीवित रह सकते है ? ", कदापि नहीं। हमारा अस्तित्व पेड़ पौधों पर ही निर्भर करता है।

अंत में, मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जन्मोत्सव पर मनाए जा रहे राम नवमी नदियों की पवित्रता, वनों का संरक्षण (जैसे चित्रकूट, दंडकारण्य), जीव जंतुओं के प्रति प्रेम और उनके संरक्षण और पर्यावरण की स्वच्छता का संदेश देने वाला त्यौहार है। आइए ! इसका पालन करना आज के परिपेक्ष्य में प्रासंगिक है

आलेख:-डॉ. श्याम नंदन प्रसाद, पर्यावरणविद् & समन्वयक, वनस्पति शास्त्र विभाग, नालंदा खुला विश्वविद्यालय, नालंदा, बिहार।
डॉ. नंदीपति तिवारी, समन्वयक, जंतु शास्त्र विभाग, नालंदा खुला विश्वविद्यालय, नालंदा, बिहार & शास्त्रों के ज्ञाता।

नीतीश का 'टाइमिंग गेम' सत्ता, संविधान और शुभ मुहूर्त के बीच अटका बिहार का राजतिलक: चंदन चौरसिया

राज्यसभा जीत के बाद भी कुर्सी पर कायम कानूनी पेच या सियासी रणनीति?

खरमास, गजट और गठबंधन की गणित कब होगा सत्ता परिवर्तन का निर्णायक क्षण?

पटना(अपना नालंदा)। वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया ने कहा कि बिहार की सियासत इन दिनों एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर सवाल का जवाब "कब" में छिपा है, "क्या" में नहीं। नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिए चुना जाना एक सामान्य राजनीतिक घटना हो सकती थी, लेकिन मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उनका बने रहना इसे असामान्य बना देता है। यह सिर्फ पद का सवाल नहीं, बल्कि समय, तकनीक और परंपरा के जटिल संतुलन का खेल है।

सबसे पहले बात संविधान की। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 101(2) और "प्रोहिबिशन ऑफ सिमुल्टेनियस मेंबरशिप रूल्स, 1950" साफ तौर पर कहते हैं कि कोई भी व्यक्ति एक साथ संसद और राज्य विधानमंडल का सदस्य नहीं रह सकता। लेकिन इस नियम का असली 'ट्रिगर' चुनाव परिणाम नहीं, बल्कि उसका सरकारी गजट में प्रकाशन है। यही वह कानूनी खिड़की है, जिससे होकर नीतीश कुमार फिलहाल दोहरी भूमिका में सहज बने हुए हैं।

यानी, 16 मार्च को राज्यसभा चुनाव जीतने के बावजूद जब तक आधिकारिक गजट जारी नहीं होता, तब तक 14 दिन की समयसीमा शुरू ही नहीं होती। यही कारण है कि नीतीश कुमार अभी भी तकनीकी रूप से सुरक्षित हैं और मुख्यमंत्री पद के साथ-साथ विधान परिषद की सदस्यता का दायित्व निभा रहे हैं।

लेकिन राजनीति सिर्फ कानून से नहीं चलती, वह संकेतों और समय की बारीक समझ से भी संचालित होती है। नीतीश कुमार की व्यस्त डायरी इस बात का इशारा देती है कि वे जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेने वाले। रामनवमी के कार्यक्रम, नालंदा विश्वविद्यालय में राष्ट्रपति की मौजूदगी, और मोतिहारी में उपराष्ट्रपति के साथ कार्यक्रम—ये सभी घटनाएं एक "ग्रैंड एग्जिट" की स्क्रिप्ट का हिस्सा प्रतीत होती हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है खरमास। बिहार और खासकर उत्तर भारतीय राजनीति में धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं का गहरा असर रहा है। 13 अप्रैल तक चलने वाले खरमास को शुभ कार्यों के लिए अनुकूल नहीं माना जाता। ऐसे में सत्ता परिवर्तन जैसे बड़े राजनीतिक निर्णय को टालना एक रणनीतिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टिकोण से समझदारी भरा कदम माना जा सकता है।

यहीं पर भाजपा और जेडीयू की आंतरिक रणनीति भी अहम हो जाती है। सत्ता का हस्तांतरण केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं

होता, बल्कि उसमें उत्तराधिकारी का चयन, गठबंधन संतुलन और भविष्य की राजनीतिक दिशा तय होती है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नीतीश कुमार किसी भी कीमत पर अपने राजनीतिक उत्तराधिकार को अस्थिर नहीं छोड़ना चाहते।

संकेत साफ हैं कि यह प्रक्रिया "दो किस्तों" में पूरी हो सकती है। पहली किस्त में वे विधान परिषद (एमएलसी) से इस्तीफा देकर राज्यसभा सदस्य के रूप में अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे। दूसरी और अंतिम किस्त में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तब आएगा, जब उत्तराधिकारी पर सहमति बन जाएगी और समय भी अनुकूल होगा।

यह पूरा घटनाक्रम बिहार की राजनीति में "वेट एंड वॉच" की स्थिति पैदा कर चुका है। विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है, तो सत्ता पक्ष संयम के साथ हर कदम फूंक-फूंक कर रख रहा है। यह एक ऐसा दौर है, जहां हर दिन नई अटकलों को जन्म दे रहा है, लेकिन ठोस जवाब अभी भी गजट नोटिफिकेशन के पन्नों में कैद है।

चंदन चौरसिया ने कहा कि आखिर में सवाल यही है कि क्या 30 मार्च तक तस्वीर साफ होगी या फिर 14 अप्रैल के बाद ही बिहार को नया नेतृत्व मिलेगा? इसका जवाब सिर्फ कानूनी प्रक्रिया में नहीं, बल्कि राजनीतिक समझ और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के उस संगम में छिपा है, जिसे नीतीश कुमार बखूबी साधते आए हैं।

बिहार की सियासत में यह एक ऐसा अध्याय है, जो बताता है कि सत्ता सिर्फ हासिल नहीं की जाती, बल्कि उसे छोड़ने का समय और तरीका भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। फिलहाल, निगाहें गजट नोटिफिकेशन पर हैं क्योंकि वही तय करेगा कि "नीतीश युग" का अगला दृश्य कब और कैसे शुरू होगा।

राजगीर नगर परिषद में बढ़ा टकराव, पार्षदों ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।
राजगीर नगर परिषद में इन दिनों प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वार्ड पार्षदों और नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी के बीच टकराव खुलकर सामने आ गया है। पार्षदों ने कार्यपालक पदाधिकारी पर वित्तीय अनियमितता, योजनाओं में पारदर्शिता की कमी और करोड़ों रुपये के कथित घोटाले जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। दूसरी ओर कार्यपालक पदाधिकारी ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है।

बताया जाता है कि बुधवार को आयोजित नगर परिषद की बजट बैठक का सभी वार्ड पार्षदों ने सर्वसम्मति से बहिष्कार कर दिया। पार्षदों के इस कदम से नगर परिषद में चल रहे विवाद ने और तूल पकड़ लिया है। पार्षदों का कहना है कि परिषद में कई योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है और आय-व्यय तथा प्रोसेडिंग से संबंधित जानकारी भी समय पर उपलब्ध नहीं कराई जा रही है।

गुरुवार को राजगीर के श्रीकृष्णा पैलेस में वार्ड पार्षदों और उनके प्रतिनिधियों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान पार्षदों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद में कई विकास योजनाओं के नाम पर अनियमितता बरती जा रही है। पार्षद अनिता सिन्हा, डॉ. अनिल कुमार और कुमारी नीलम सिन्हा ने कहा कि परिषद में कई कार्यों की लागत पहले तय राशि से कहीं अधिक बढ़ा दी गई है। उनका कहना है कि जिन कार्यों को कुछ महीने पहले एक निश्चित राशि में कराया गया था, वही कार्य बाद में दोगुनी लागत में कराए गए हैं, जिससे योजनाओं में गड़बड़ी की आशंका पैदा होती है।

पार्षदों ने यह भी आरोप लगाया कि नगर परिषद के अधिकांश ठेके एक ही वर्ग विशेष के ठेकेदारों को दिए जा रहे हैं, जिससे निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पार्षद महेंद्र यादव और श्यामनारायण प्रसाद ने कहा कि ओपन जिम, सीसीटीवी कैमरा स्थापना, हाई मास्क लाइट, संकेतक बोर्ड और आउटसोर्सिंग के माध्यम से सफाई व्यवस्था जैसी योजनाओं में करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं दे रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है और योजनाओं का लाभ जनता तक सही ढंग से नहीं पहुंच पा रहा है।

पार्षदों का कहना है कि नगर परिषद में विकास कार्यों और सफाई व्यवस्था पर बड़ी राशि खर्च की गई है, लेकिन इन योजनाओं से संबंधित आय-व्यय का पूरा लेखा-जोखा अब तक पार्षदों को उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच निगरानी विभाग या जिला स्तर की जांच टीम से कराई जाए। साथ ही किसी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की निगरानी में जांच कराकर सच्चाई सामने लाई जाए।

वहीं कार्यपालक पदाधिकारी अजीत कुमार ने पार्षदों द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद में सभी कार्य नियमों के अनुरूप और पारदर्शिता के साथ किए जा रहे हैं। कुछ लोग व्यक्तिगत कारणों से आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्षदों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए उन्हें लैपटॉप दिया गया है और ईमेल आईडी उपलब्ध कराने को कहा गया था, लेकिन अभी तक अधिकांश पार्षदों ने ईमेल आईडी नहीं दी है।

फिलहाल नगर परिषद में बढ़ते इस विवाद से प्रशासनिक माहौल गरमा गया है। पार्षद जहां उच्च अधिकारियों को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, वहीं प्रशासनिक स्तर पर भी मामले को शांत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अब स्थानीय लोगों की नजर जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है कि इस विवाद का समाधान किस तरह किया जाता है और नगर परिषद में पारदर्शिता व जवाबदेही कैसे सुनिश्चित की जाती है।

आशा बहाली में रिश्वत लेते नगरनौसा पीएचसी के बीसीएम निगरानी टीम के हत्थे चढ़े

नगरनौसा (अपना नालंदा)। आशा कर्मी की बहाली के नाम पर महिला से रिश्वत लेते प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगरनौसा के बीसीएम मंजीत कुमार को निगरानी विभाग की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बीसीएम आशा बहाली कराने के एवज में एक महिला से 25 हजार रुपये की मांग कर रहा था।

बताया जाता है कि नगरनौसा क्षेत्र की बॉबी कुमारी से आशा कार्यकर्ता की बहाली के नाम पर मंजीत कुमार ने 25 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। महिला ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग से की। शिकायत के बाद निगरानी टीम ने मामले की जांच कर जाल बिछाया। योजना के तहत जैसे ही बीसीएम ने महिला से 10 हजार रुपये रिश्वत के रूप में लिए, टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

गिरफ्तारी की कार्रवाई होते ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अफरा-तफरी मच गई। निगरानी टीम आरोपी को अपने साथ ले गई और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

गौरतलब है कि नगरनौसा प्रखंड में एक सप्ताह के भीतर निगरानी विभाग की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले 20 मार्च को प्रखंड कार्यालय में तैनात बीपीआरओ को छठ घाट योजना की फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर 12 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए निगरानी टीम ने गिरफ्तार किया था।

लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से पूरे प्रखंड क्षेत्र में चर्चाओं का माहौल है। वहीं विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों में भी सतर्कता बढ़ गई है तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग की सक्रियता की चर्चा हो रही है।

खैनी, तंबाकू और गुटखा के विरुद्ध एनएसएस ने चलाया जागरूकता अभियान

हिलसा (अपना नालंदा)। एस.यू. कॉलेज, हिलसा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा संचालित एक सप्ताहीय सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम के चौथे दिन अर्जुन टोला, मई, हिलसा में नशा मुक्ति एवं मद्य निषेध को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत विशेष रूप से सूखा नशा जैसे खैनी, तंबाकू, सिगरेट, गुटखा और गांजा के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत समाजसेवी डॉ. आशुतोष कुमार मानव तथा एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. पिंकी कुमारी ने संयुक्त रूप से की। इसके बाद एनएसएस स्वयंसेवकों ने कॉलेज परिसर से अर्जुन टोला तक जागरूकता रैली निकाली और "नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो" जैसे नारों के माध्यम से ग्रामीणों को संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर लोगों को सूखा नशा के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी और नशा मुक्त समाजबनाने की अपील की।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में मद्य निषेध लागू होने के बाद सूखा नशा तेजी से फैल रहा है, जो खासकर युवाओं और बच्चों के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने कहा कि खैनी, तंबाकू और गुटखा जैसे नशे व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य दोनों को बर्बाद कर देते हैं, इसलिए समाज के सभी वर्गों को इसके खिलाफ जागरूक होना जरूरी है।

मुख्य अतिथि गुटखा छोड़ो आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह भारत निर्वाचन आयोग के नालंदा जिला स्वीप आईकॉन डॉ. आशुतोष कुमार मानव ने कहा कि सूखा नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। इसके खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करना समय की मांग है।

नीतीश कुमार के विकास कार्यों से बदला बिहार का चेहरा : नितिन नवीन

पटना (अपना नालंदा)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि नए बिहार के निर्माण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का योगदान ऐतिहासिक रहा है और इसके लिए बिहार हमेशा उनका ऋणी रहेगा। वे पटना जिला के बापू सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा के जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा करते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की।

नितिन नवीन ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निराशा के दौर से बिहार को निकालकर विकास और विश्वास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। उनके नेतृत्व में बिहारियों का सम्मान देशभर में बढ़ा है और आज हर बिहारी खुद को गौरवान्वित महसूस करता है। उन्होंने कहा कि समृद्धि यात्रा ने बिहार में विकास का उत्सव जैसा माहौल बना दिया है और यही उत्साह राज्य को आगे बढ़ाने में सहायक होगा।उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 के बाद बिहार में जवाबदेही और कामकाज की नई संस्कृति विकसित हुई। पहले जहां गांवों में बिजली पहुंचने की कल्पना भी कठिन थी, वहीं आज लगभग हर घर तक बिजली पहुंच चुकी है। सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण से राज्य की तस्वीर बदल गई है और ग्रामीण इलाकों तक बेहतर संपर्क स्थापित हुआ है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बने डबल इंजन सरकार की भी सराहना करते हुए कहा कि केंद्र के सहयोग से बिहार में कई बड़े पुल और सड़क परियोजनाएं पूरी हुई हैं, जिससे उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच दूरी कम हुई है।

उन्होंने कहा कि राज्य में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं और महिलाओं की भागीदारी भी समाज में मजबूत हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि एनडीए सरकार मुख्यमंत्री के विकास रोडमैप के आधार पर वर्ष 2030 तक विकसित बिहार के लक्ष्य को जरूर हासिल करेगी।

जहानाबाद में एनीमिक गर्भवती महिलाओं के इलाज के लिए विशेष इंजेक्शन थेरेपी शुरू

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। सदर अस्पताल जहानाबाद में गुरुवार को एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं के लिए फेरिक कार्बोक्सी माल्टोस इंजेक्शन थेरेपी का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पटना से वर्चुअल माध्यम से किया।

कार्यक्रम में जिला स्तर से सिविल सर्जन डॉ. हरीश चंद्र चौधरी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक खालिद हुसैन, प्रभारी अधीक्षक डॉ. मीना, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सीजा प्रकाश और डॉ. सरोज बाला, अस्पताल प्रबंधक रितिका कुमारी तथा पिरामल फाउंडेशन के जिला समन्वयक भव्या अभिषेक कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सदर अस्पताल में कुल 13 एनीमिक गर्भवती महिलाओं को फेरिक कार्बोक्सी माल्टोस इंजेक्शन थेरेपी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह आधुनिक अंतःशिरा आयरन थेरेपी है, जो गर्भवती महिलाओं में खून की कमी को तेजी से दूर करने में सहायक मानी जाती है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों के मुताबिक बिहार में लगभग 63 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिया से ग्रसित हैं। ऐसे में यह पहल मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।सिविल सर्जन डॉ. हरीश चंद्र चौधरी ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से जिले में एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। इससे मातृ मृत्यु दर में कमी लाने और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।जिला स्वास्थ्य विभाग ने इस योजना को व्यापक स्तर पर लागू करने का संकल्प लिया है, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को इसका लाभ मिल सके।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

विज्ञापन दरें (प्रथम वर्षगांठ विशेष पैकेज)
फुल पेज विज्ञापन – ₹10,000/-
हाफ पेज विज्ञापन – ₹5,000/-
क्वार्टर पेज विज्ञापन – ₹3,000/-

संपर्क करें:
apnanalandaofficial881@gmail.com
9031468165
9608311251